



महाराजा सवाई मान सिंह जी
के साथ
राजगुरु कथाभट्ट जगदीश चन्द्र जी
चाँपावत जी का मन्दिर, जौहरी बाजार
-1951





पूजा करते हुये गोविन्द,
मनन अपने बाबा (दादाजी) के साथ



बगीचे की सैर करते हुये
मनन बाबा (दादाजी) के साथ



दादाजी पतंग उड़ाते हुये



मयंक बाबा (दादाजी) के साथ



दायें से श्रीमती सुशीला - डॉ सुबोधचन्द्र शर्मा, रघु (पौत्र), मयंक (पुत्र), दीप्ति (पुत्रवधू) व रिजु (प्रपौत्र)



दादाजी और राजपुरोहित बून्दी श्री रमेश जी बना (बायें से प्रथम)



दादाजी मयंक के विवाह अवसर पर श्री मान गोपीचन्द जी के साथ



मयंक IIT रुडकी से घर आने पर



दादाजी मयंक के विवाह अवसर पर



दायें से श्रीमती सुशीला - डॉ सुबोधचन्द्र शर्मा, रघु (पौत्र), मयंक (पुत्र), दीप्ति (पुत्रवधू) व रिजु (प्रपौत्र)



दादाजी और राजपुरोहित बून्दी श्री रमेश जी बना (बायें से प्रथम)



दादाजी मयंक के विवाह अवसर पर श्री मान गोपीचन्द जी के साथ



मयंक IIT रुडकी से घर आने पर



दादाजी मयंक के विवाह अवसर पर



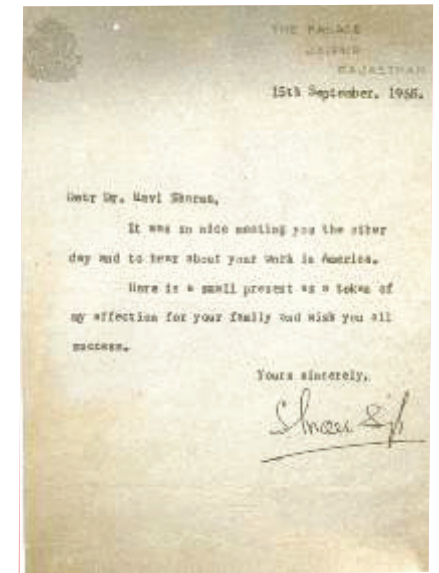
दायें से श्रीमती स्नेहप्रभा - डॉ रविदत्त शर्मा, अमित (पुत्र), डॉ नेहा (पौत्री), सविता पुत्रवधू व डॉ निशा (पौत्री)



डॉ. रविदत्त शर्मा, राष्ट्रपति कलाम (भूतपूर्व साथी ISRO)
व श्रीमती स्नेहप्रभा शर्मा



40 वर्ष बाद पुनर्मिलन
Buzz Aldrin
चन्द्रमा पर
उतरने वाले दूसरे
अंतरिक्ष यात्री
डॉ. रवि शर्मा के
साथ -2009



महाराजा श्रीमान सवाई मानसिंह जी
द्वारा रवि को पत्र एवं भेंट 1968



The National Aeronautics and Space Administration
presents the
Apollo Achievement Award
to
R. D. Sharma

In appreciation of individual service to the nation as a member of the team which has demonstrated the nation's capabilities in aeronautics and space and demonstrated their many outstanding accomplishments culminating in Apollo 11's successful achievement of man's first landing on the moon, July 20, 1969.

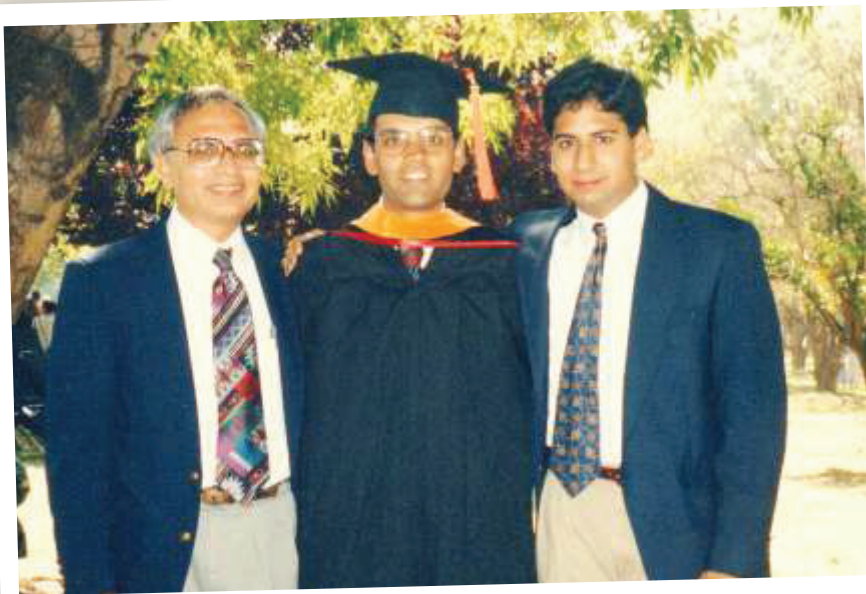


Signed in Washington, D.C.
B. Aldrin
ASTRONAUT, NASA

डॉ. रविदत्त द्वारा मानव को चन्द्रमा भेजने व उनके प्रयोगों के लिये
NASA अपालो अचीवमेंट अवार्ड (1969)



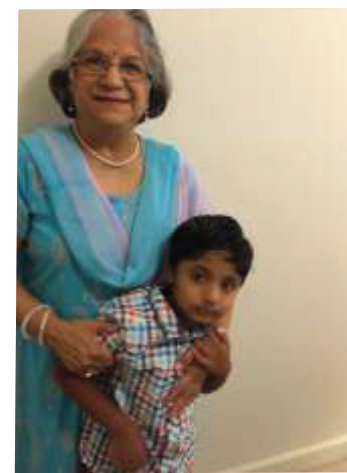
बायें से डॉ गोविन्द शर्मा - श्रीमती प्रभा, मनन (पुत्र), ज्योति (पुत्रवधू) और नवीन लाल पौत्र (आगे)



अमित के स्नातकोत्सव पर गोविन्द और मनन



नवीन लाल खेलते हुये



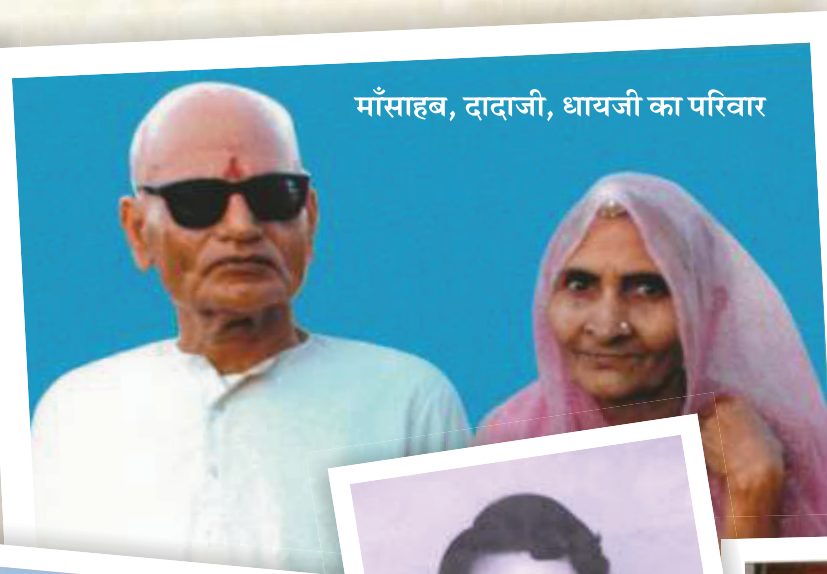
प्रभा (दादी) और पौत्र नवीन लाल



भविष्य की ओर दृष्टि - नवीन लाल



दादाजी की जुड़वाँ प्रपौत्रियों के साथ
नई पीढ़ी का प्रारम्भ



चन्द्रविहारी चाँपावत जी का मन्दिर
100 वर्ष पूर्व





राधाराधितमाराध्यम् कृष्णं चन्द्रविहारिणं ।
नौमिरत्नापणेसंस्थं चाँपावत्यास्तु मन्दिरे ॥

चन्द्रविहारी चाँपावतजी का मन्दिर